an>

Title: Need to accord full time employee status to female Anganwadi workers to address their problems.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): देश के सभी जनपदों में आंगनवाड़ी कार्यक्रम लागू है। आंगनवाड़ी कार्यक्रम की पुष्टाहार योजना को सम्पूर्ण देश में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा समर्पित भाव से लागू किया जाता है। उसके बदले उन्हें मानदेय प्रदत्त किया जाता है। देश के सभी राज्यों में अलग-अलग दरों से मानदेय दिया जाता है, जिसके कारण आंगनवाड़ी के कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कार्यकत्रियों को आंगनवाड़ी केन्द्रों के माध्यम से महिलाओं को कुपोषण से बचाने के लिए जो पुष्टाहार वितरण के लिए दिया जाता है उसकी गुणवत्ता भी काफी खराब है। इसके बावजूद हाट कुक योजना को आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा लागू न करके एन.जी.ओ. के माध्यम से शुरू करने की संभावना है वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को मात्र 3200 रूपया एवं सहायिकाओं को 1500 रूपये दिये जा रहे हैं जबकि मनरेगा के मजदूरों को 125 रूपया प्रतिदिन दिया जा रहा है। सहायिकाओं को प्रोन्नति नहीं हो रही है। इसी तरह से आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की भी पदोन्नति न होने के कारण उनमें काफी असंतोष है, जिसको लेकर के जनपदों में आंदोलन हो रहा है। अस्तु देश के आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं की समस्या के समाधान के लिए इन्हें पूर्णकालिक कर्मचारी का दर्जा प्रदान किया जाये। इसे लागू करने के लिए भारत सरकार से मांग करता हूँ।